Diploma in karmakand- 1st Semester **Semester Exam 2021**

कोड- DVP-C103

प्रश्न-पत्र का नाम- संस्कार कर्म (क)

समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 संस्कार और ब्रह्मचर्य के परस्पर संबन्ध को स्पष्ट करे।
प्रश्न 2 संस्कार के संबन्ध में ऋतुचर्या शब्द की व्याख्या करे।
प्रश्न 3 पुंसवन संस्कार का क्या प्रयोजन है?
प्रश्न 4 संस्कार की परिभाषा देते हुए, मानव जीवन में संस्कारों की उपयोगिता स्पष्ट करे।
प्रश्न 5 उपनयन संस्कार क्या? इसके विधि भाग की व्याख्या करे।
प्रश्न 6 जातकर्म संस्कार पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 7 कर्णवेध संस्कार की वैज्ञानिक स्वरूप से व्याख्या करे।
प्रश्न 8 निष्क्रमण संस्कार का प्रयोजन सिद्ध करे।
प्रश्न 9 अन्नप्राशन संस्कार में अन्न की प्रासंगिकता क्या है?
प्रश्न 10 चूडाकर्म संस्कार पर प्रकाश डालिए।

खण्ड 'बी'
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 11 विद्योपार्जन संबन्धित संस्कारों को स्पष्ट करे।
प्रश्न 12 समावर्तन संस्कार पर निबन्ध लिखिए।
प्रश्न 13 यज्ञोपवीत मन्त्र की व्याख्या करते हुए, इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 14 नामकरण संस्कार के विधि भाग की व्याख्या करे।
प्रश्न 15 गायत्री मन्त्र की व्याख्या करे।
प्रश्न 16 'ओं मम व्रते हृदयं ते दधामि' मन्त्र की गुरु-शिष्य परक व्याख्या करे।
प्रश्न 17 संस्कार वैदिक संस्कृति के परिचायक है- कथन पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 18 प्राग्जन्म संस्कारों की विवेचनात्मक व्याख्या करे।